पिता घर जाने की आज्ञा दो स्वामी

हट कर बैठी पार्वती रानी,
पिता घर जाने की आज्ञा दो स्वामी....

हमारे पिता ने यज्ञ रचा है,
शब्द एवं को न्योता दिया है,
उसी में जाने की आज्ञा दो स्वामी,
पिता घर जाने की आज्ञा दो स्वामी....

शिव जी ने हट किया गौरा ना मानी,
कर्मों के लेख किसी ने ना जानी,
सोलह श्रृंगार कर चली गौरा रानी,
पिता घर जाने की आज्ञा दो स्वामी....

पिता भवन जब पहुंची भवानी,
सब सखियां हस बोली ना भवानी,
माता भी उनसे बोली न चाली,
पिता घर जाने की आज्ञा दो स्वामी....

यह देख पीछे पछताए गोरा रानी,
हमने पति की आज्ञा न मानी,
यह देख अग्नि में कूदी भवानी,
पिता घर जाने की आज्ञा दो स्वामी.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28636/title/pita-ghar-jane-ki-aagya-do-swami

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |